RJ–05

June – Examination 2022

B.A. (Part III) Examination

RAJASTHANI

[प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य (काव्य एवं गद्य)]

Paper : RJ-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- औ पेपर दोय खण्डां में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' अर 'ब' है। खण्ड 'अ' में अति साव छोटा सवाल है अर खण्ड-'ब' में छोटा सवाल दियोड़ा है।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- इण खंड रा सगळां सवालां मांय सूं कोई **चार** सवाल करणा है (सबद सीमा : **30** सबद) :

1. (i) 'भरतेस्वर बाहुबलि रास' रचना रै रचनाकार रौ नांव लिखो।

(ii) प्राचीन राजस्थानी लौकिक सैली री कोई दोय प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

(iii) 'रासो' काव्य रूप री कोई दोय रचनावां रौ नांव लिखो।

(iv) ईसरदास बारहठ री भगती परक रचनावां रौ नांव लिखो।

(v) राणी रूपादे रै धणी (पति) रौ नांव बतावो।

(vi) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' रचना रै रचनाकार रौ नांव बतावो।

(vii) 'टब्बा' किणनै कैयो जावै है ?

(viii) 'वचनिका' अर 'दवावैत' मांय कांई अंतर है ?

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- नीचै लिख्यौड़ां सवालां मांय सूं कोई **चार** सवाल करणा है (सबद सीमा : **200** सबद) :

2. प्राचीन जैन साहित्य परम्परा री रचनावां पर प्रकास डालो।

3. प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रौ जुगीन वातावरण नै दरसावो।

4. डिंगल री चारण सैली री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करावौ।

5. साँयाजी झूला री भगती परक रचनावां री विरोळ करो।

6. ओपाजी आढ़ा रौ जीवण-परिचै नै प्रस्तुत करो।

7. मेहाजी गोदारा द्वारा रचित 'रामायण' री कथावस्तु आपरै सबदां में अभिव्यक्त करो।

8. 'वेलि क्रिस्सन रुकमणी री' मांय चित्रित प्रकृति चित्रण नै स्पष्ट करो।

9. राजस्थानी 'ख्यात साहित्य' परम्परा पर अेक सांतरी टीप लिखो।